Date: / /

कुछ विशिष्ट जाति के पशुओं के बालो से भी ऊन प्राप्त होती हैं। ये पशु ठण्डे प्रदेशो में अत्यधिक ऊँचाई पर रहते हैं। इनके बालों से प्राप्त ऊन से बने वस्त्र काफी महँगे एवं बहुमूल्य होते हैं। ये अत्यन्त सुन्दर एवं विशिष्ट श्रेणी के होते है।

विकयूना एक दुर्लभ ऊँच जाति का जानवर हैं। जिसके बालों से विश्व का सबसे महँगा कोट बनता हैं। इसे मिंक कोट के नाम से जाना जाता हैं। यह अपनी अद्वितीय सुन्दरता अलौकिक गुणों के कारण सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। इनकी उत्कृष्टता एवं बारीकी की भी कोई बराबरी नहीं हैं।

1- विकयूना → (Vicuna) विकयूना ऊँट जाति का एक दुर्लभ जानवर है। इसके बाल अत्यन्त सूक्ष्म, कोमल, फिसलने वाले चमकदार एवं बारीक होते हैं।
इसका रंग क्रीम हल्का भूरा अथवा भूरा होता है। इसके बालो से विश्व का सबसे महँगा कोट 'मिंक कोट' बनता है जो गिने-गिने लोगों के पास ही अभी उपलब्ध रहता है। यह पेरु प्रदेश व दक्षिण अमेरिका में पाया जाता है।

2:- अंगोरा बकरी →

यह प्रकार की बकरी है। जिसके बालों से ऊनी रेशे प्राप्त किये जाते हैं।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

अंगोरा कहलाती है। इसके बालो को 'मोहेर' के नाम से जाना जाता है। इसके बाल सूक्ष्म कोमल लम्बे चमकदार एवं सुन्दर उत्कृष्ट कोटि के वस्त्र बनाये जाते हैं।

3- कश्मीरी बकरी →

कश्मीरी बकरी के बाल से उत्कृष्ट श्रेणी के ऊनी वस्त्र बनते हैं। इस बकरी का नामकरण भी कश्मीर में बनने वाला महीन शॉल पर रखा गया है। कश्मीरी बकरी हिमालय के तिब्बत श्वेत-चीन तथा विश्व के उत्तरी-पश्चिमी भागो पर पाई जाती है।

4 लामा (Lama)

लामा भी ऊँट जाति का पशु है। इसके बालो में भी दो पर्त हैं। ऊपरी परत के बाल लम्बे घने भारी एवं मोटे होते हैं। नीचे की परत से बहुत मुलायम कोमल एवं बारीक रेशों की प्राप्ति होती है। इसके बालों में रेशम के समान चमक पाई जाती है। लामा ~~अफ्रीका~~ दक्षिण अमेरिका में पाया जाता है। यह जानवर बालो के साथ-साथ समान ढोने के लिए प्रसिद्ध है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

ऊन की श्रेणियाँ → (Classes of wool)

संसार में लगभग 40 जाति की भेड़ पायी जाती है। संकरण से लगभग 200 प्रकार की भेड़ तैयार की गयी है। इन सभी भेड़ों तथा अन्य जानवरों की खाल से प्राप्त ऊन भेड़ की किस्म उसके रहने की परिस्थितियों तथा भोजनादि आदि से प्रभावित होती है।

सभी भेड़ों व जानवरों से प्राप्त ऊन अलग-अलग किस्म व श्रेणी की होती है। कहीं की भेड़ों का ऊन कड़ा व कहीं की भेड़ों का ऊन नरम होता है।

अतः भेड़ों की किस्म के अनुसार ऊन की निम्नलिखित चार श्रेणियाँ होती हैं।

1- प्रथम श्रेणी का ऊन →

"मेरिनो जाति की भेड़ जो पहले स्वेन में ही पायी जाती थी। उनसे ~~सर्वप्रथम~~ सर्वोत्तम प्रकार की ऊन प्राप्त की जाती है। इसके रेशों की लम्बाई 1" से 5" तक होती है। इसके रेशे पर्याप्त मजबूत उत्तम व लचीलापन लिए होते है। इस ऊन से सबसे उत्तम प्रकार के ऊनी वस्त्र बनाये जाते है। इन ऊन शल्कों की संख्या प्रति इंच 3,000 तक होती है जो सर्वाधिक होती है। जो श्रेष्ठ ऊन का परिचायक है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

6/10/2020